प्रिय राम, लक्ष्मण,   (1)   1st May, 2022

मैं आज आप से 'विवेक' के बारे में बात करना चाहता हूँ। 'विवेक' (wisdom, rationality) का अर्थ है - सही और गलत में - 'स्वयं' - अपनी बुद्धी से निर्णय ले पाना। यूँ तो ये बहुत common sense की बात लगती है - लेकिन अगर तुम इस के बारे में सोचोगे, देखोगे - तो हम पाते हैं कि विवेकी विचार बहुत common नहीं है शायद। ऐसी अनेकों घटनाएँ, चीज़ें - इन के कुछ उदाहरण दूँगा - आस पास घटती हैं, जो विवेक पे पुरी नहीं उतरती। वैसे तो हमारे संविधान में Article 51 (Fundamental Duty) में लिखा है - It shall be the duty of every citizen to develop scientific temper and rational thinking. लेकिन .... इसी विषय को ले कर मुक्ता दाभोलकर - जो महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मुलन समिती से (ANIS) जुड़ी हुई हैं, और एक Rationalist हैं, उन का एक lecture सुनने को मिला। जो सीखने को मिला, तुम से share कर रहा हूँ।

2. हमारे जीवन को दो प्रकार की चीज़ें प्रभावित करती हैं - विज्ञान से जुड़ी चीज़ें (Light, glass, watch, Energy - इन के बिना जीवन संभव है?) और सामाजिक सुधार! अगर महात्मा फुले, सावित्रीबाई फुले जैसे लोगों ने संघर्ष न किया होता तो महिलाएं अशिक्षित रहती! Evolution में इंसान को एक चीज़ मिली है, जो उसे जानवरों से ?ज़्यादा capable बनाती है - brain / बुद्धी which is more developed. हर एक इंसान के पास ये क्षमता है कि वो हर बात को सब तरह से समझ के एक reasoned choice ले सके।

3. इस बुद्धी / Reasoned choice के चलते ये capability सब को है - तुम्हें, मुझे, सब को - की चीज़ों को खुद समझ सकें। ऐसा क्यों - Reason behind everything - इस जिज्ञासा की वजह से ही नई खोजें, ज्ञान की निर्मती होती है। इस लिहाज से तुम, और कोई भी सक्षम है, ज्ञान पाने के लिए, to learn, to discover! इस लिए 'किसी ने कहा है, इसलिए ये सच है....' 'किसी किताब में लिखा है, इस लिए ये सच है....' ये मानने के बजाए, एक विवेकी व्यक्ति अपनी बुद्धी का इस्तेमाल कर के खुद ठीक / गलत की पहचान करता है.... ज्ञान / discovery / truth इस लिहाज से किसी की Monopoly नहीं - सब उसे समझ और पा सकते हैं।

4. ये ज्ञान / knowledge / truth का एक character है - ये universal होता है - मतलब हर condition में true. For eg. अगर तुम्हें बुख़ार है, और तुम Paracetamol खाओ - तो बुख़ार उतरेगा ही - there is a scientific mechanism behind it. इस लिहाज से ये श्रद्धा से अलग है - श्रद्धा के साथ, या श्रद्धा के बिना - Paracetamol की गोली एक सा असर करती है। In other words - जो है, सो है (A fact is a fact) - चाहे आप उसे मानें, या न मानें।

5. विवेकी व्यक्ति ज्ञान पाने की ये scientific तरीका इस्तेमाल करता है :

निरीक्षण — Observation
↓
तर्क — (Apply mind)
↓
अनुमान — Hypothesis (put some logics)
↓
प्रयोग — Experiment (do & see)
↓
प्रवृत्ती — Practice / Experience.
↓
निष्कर्ष — Conclusion

Scientific way of thinking (A)
वैज्ञानिक विचार पद्धती

इस तरीके का talisman है -

। जितना Evidence, उतना विश्वास !

मतलब जो चीज़ सिद्ध नहीं हो सकती, उस पे विश्वास नहीं किया जा सकता

6\. इसी लिए प्रत्येक चीज़ को Observe करना ज़रूरी है अगर ये जानना है कि वो सही है या नहीं। अगर कोई कहता है कि ये बस मान लो क्योंकि मैं कह रहा हूँ / रही हूँ - और इसके पीछे क्या कारण हैं, ये तुम्हें नहीं बता / दिखा सकते - तो शायद दाल में कुछ काला है....

हाँ, ये सच है कि Science के पास सब चीज़ों के उत्तर आज नहीं; लेकिन ये भी सच है, की कल को अगर ये उत्तर मिलेंगे तो इसी तरीके से - जो Page ② पर Ⓐ करके दी गई है - Observe, apply mind, hypothesis, experiment, experience, conclude!

इस तरीके को किसी खास निर्णय / बड़ी बातों के लिए छोड़ना बेकार होगा - अपनी रोज़ मर्रा की ज़िंदगी में, हर छोटा बड़ा काम करते हुए विवेक / बुद्धि का इस्तेमाल ही मनुष्य जीवन को प्रगत करेगा!

7\. तुम सोच रहे होगे कि ये सब क्यों बता रहा हूँ... ये बातें तो Obvious ही हैं? ज़रा इन बातों पे गौर करो - विवेक को बाजू में रख कर बहुत सी अनाप शनाप चीज़े होती हुई दिखती हैं। इन में से बहुत सी बातें लोगों को - खास कर महिलाओं को - Exploit करने में जाती हैं। तुम ने 'भूतों' के बारे में तो सुना ही होगा!! (Horror movies). इंसान के मन के डर, future के डर को Exploit कर के ये बेतुकी बातें सदियों से समाज में हैं। मुक्ता की संस्था ANIS ने सालों से इनाम रखा है - 'भूत दिखाओ और 21 lakh रुपये ले जाओ!' आज तक एक भी व्यक्ति इनाम Claim करने नहीं आया!!

8. जब विवेक छूटता है, तो उस की जगह अंधविश्वास लेता है। लोगों को Mental, Economic, Physical- सब तरह से Exploit किया जाता है, इस अंधविश्वास में। खास कर महिलाओं को। Menstruation के दौरान महिला से किया जाने वाला भेदभाव तो सिर्फ एक उदाहरण है ....

9. इस बात से ही (उदाहरण) अनुमान लगाओ - अगर लोग claim करते हैं कि वो भविष्यवाणी कर सकते हैं - तो किसी ने corona के बारे में warn क्यों नहीं किया? ऐसा भी नहीं कि सिर्फ अनपढ़ लोग इस अंधविश्वास में पड़ते हैं - पढ़े लिखे लोग भी विवेक भूल कर अंधविश्वास को मानते हैं। Vastu, Astronomy- Planets / ग्रहों का हमारे जीवन पे प्रभाव - ये सब इस के उदाहरण हैं। कौन किस समय, किस जगह जन्म को आया - इस से उस का भविष्य कैसे तय हो सकता है ...

10. हमारे देश में जहाँ एक ओर कुछ Outstanding उदाहरण हैं scientific discoveries के, वहीं ये सर्व अंधविश्वास भी rampant है ... Exploitation, कितने ही संतों ने (e.g. तुकाराम) इन rituals, अंधविश्वास, Exploitation को ग़लत बताया है ...

11. तुम पूछोगे कि क्या फिर भगवान में विश्वास न रखें? श्रद्धा, विश्वास न हो? विवेक / rational thinking भगवान / श्रद्धा / विश्वास का विरोध नहीं करती। हमारे Constitution में दिया है कि "Everyone has a right to believe in / profess

any religion (सभी को किसी भी धर्म को मानने का स्वातंत्र्य है)। basically, विवेक आप को मदद करता है, अच्छा इंसान बनने के लिए। अगर आप की श्रद्धा / विश्वास भी आप को बेहतर इंसान बनाती है, तो हर्ज़ क्या। ये आप का निजी मामला है। लेकिन विवेक / rationality अंधश्रद्धा के against है। आप पूछोगे की श्रद्धा और अंधश्रद्धा में क्या फरक है। तो जो भी चीज़ किसी का Exploitation / harm करती है, वो अंधश्रद्धा बन जाती है। अगर आप विवेक के पथ पे चलो, तो आप ख़ुद ही ख़ुद के मार्गदर्शक (one's own teacher) बन जाओगे।

12. ये सब बातें आज के social media के ज़माने में जानना और मानना बहुत ज़रूरी है। Internet और Social media इतनी strong forces हैं कि शायद उन्हें democracy (लोकशाही) में control करना / regulate करना possible नहीं। उत्तेजक Audio visuals के ज़रिए जो सब बातें float होती हैं, ज़रूरी नहीं के वो सच हों। किसी ulterior motive से आप को Emotionally disturb करना, या Marketing tactics के ज़रिए आप को लुभाना - इन चीज़ों से social media flooded है। हमारी Psychology को इस कदर affect किया गया कि हम क्या खा रहे हैं, क्या पहनता है, कहाँ घूम रहे हैं - ये सब चीज़ें हम facebook/ instagram पे डाल रहे हैं। Instagram पे डालने के लिए new profile pic के लिए नए कपड़े तक ख़रीदने तक के non- विवेकी behaviour अब फैल रहा है। ऐसे में आप जो भी - हर रोज़, हर समय - कर रहे हैं, उसे

'विवेक' पे test करना ज़रूरी हो जाता है। So, taking a pause, thinking for a second - before you react or jump into anything, may be worthwhile.

13. क्योंकि विवेक is about everyday life और ये बहुत useful tool है। मुक्ता के father Dr. नरेंद्र दाभोलकर कहा करते थे - "विवेकी विचार से ये दुनिया बदलेगी या नहीं, ये मैं बता नहीं सकता .... लेकिन तुम ने ये अपनाया तो तुम्हारी life 100% बदलेगी, इस की मैं guarantee दे सकता हूं।"

14. Government भी इस बारे में कदम उठा रही है। ANIS के प्रयत्नों से Maharashtra government ने दो laws pass किए है - (1) जादू टोना विरोधी Act (Anti superstition Act) - As per this, human sacrifice, other inhuman, evil practices, black magic etc. are crime now in State of Maharashtra and (11) सामाजिक बहिष्कार विरोधी Act (Protection of people from Social boycott) - You know, when any person, using his/her reason/विवेक - questions a social ritual/norm, the society ostracizes him/her (बहिष्कार, गाँव से बाहर निकाल देना, नाता तोड़ लेना)। अब ये महाराष्ट्र में कानून जुर्म है।

इस के साथ साथ और भी laws है - जैसे ग्राहक संरक्षण कायदा (Consumer Protection Act) जिस के according आप false claims को check कर सकते हो।

15. लेकिन ज़रूरी ये है कि एक व्यक्ति - बुद्धिमान और विवेकी व्यक्ति - की तरह आप विवेकी तरीके से सोच पाओ और Act कर पाओ। कई बार इस में आप को खुद से conflict हो सकता है - क्योंकि आप को कुछ सही लगता है, और social rituals और हैं। ऐसे में विवेक / rationality के आधार पे आप action ले पाओ, ऐसा प्रयत्न करो। कई बार doubt हो तो उस पे open और unemotional तरीके से संवाद (discussion / debate) भी करो। आप के school में ऐसे debates, discussions, को allow किया जाता है, और हर एक को अपनी बात रखने को मौका दिया जाता है, ये अच्छी बात है। इस के चलते आप को कई बार difficult questions भी पूछने पड़ सकते हैं - लेकिन आप सवाल पूछें और P. ② पर Ⓐ में दी हुई पद्धत - Observation - logic - experiment - conclusion न छोड़ें।

16. बस ये ध्यान रखें कि कुछ और आप के दोस्त, रिश्तेदार, और लोग हो सकता है कि वैसे विचार / actions न करें, जो आप को विवेकी लगते हों। ऐसे में उन पर क्रोध कर के उपयोग नहीं; उन्हें करुणा (Empathy) की ज़रूरत है। और उन का मज़ाक भी न उड़ाएं - उन्हें अपनापन दें, बातचीत करें और कोशिश करें की वे भी विवेक इस्तेमाल कर सकें। आख़िर ये नियमत तो सभी ही को मिली है ☺.

Lots of love,
पापा

P.S. ये सब विचार मैंने मुक्ता दाभोळकर से सुने, विवेकी लगे - लगा तुम से share करूँ ☺